नई दुनिया 16/04/25

'संविधान की अज्ञानता से करते हैं गलतियां'

डा. भीमराव आंबेडकर की जयंती पर शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में कार्यक्रम आयोजित

नईदुनिया प्रतिनिधि, जगदलपुर : संविधान निर्माता बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की 134वीं जयंती पर शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि संविधान का ज्ञान नहीं होने से हम अक्सर गलतियां कर जाते हैं।

मंगलवार को आयोजित विशेष व्याख्यान में कुलपति प्रो. एमके श्रीवास्तव ने कहा कि हम सभी को बाबा साहेब डा. आंबेडकर के समाज सुधारक, संविधान विशेषज्ञ के अद्वितीय उपलब्धि और योगदानों के साथ स्कालर के रूप में उनकी क्षमता और प्राप्ति को भी जानने का प्रयास करना चाहिए। सामाजिक न्याय और समानता के प्रणेता डा. आंबेडकर ने संघर्ष से अपने जीवन को आदर्श स्वरूप और महान बनाया।

प्रमुख वक्ता एडवोकेट मनबोध बघेल ने कहा कि डा आंबेडकर पिता की तरह समाज और देश का पालन-पोषण किया और उसके लिए सही संविधान बनाया। इसके साथ ही सही राह पर चलने को समझाने का प्रयास भी किया इसलिए वे बाबा कहलाए।

डा.भीमराव आंबेडकर की 134वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ता। • नईदुनिया

वहीं बेहतर जीवन शैली और बड़े उद्देश्य के लिए जीने के कारण वे साहेब कहलाए। बघेल ने कहा कि डा. आंबेडकर चलती-फिरती लाईब्रेरी थे। उन्होंने करीब साठ देशों के संविधान का अध्ययन किया। बहुजन हिताय और बहुजन सुखाय की बातें कीं। तब जाकर उन्होंने संविधान रूपी व्यवस्थित नियमावली बनाई। आज देश में संविधान से बड़ा कुछ नहीं है। संविधान में सारी समस्याओं के समाधान के लिए जादुई बाते हैं। अपने उद्बोधन से पूर्व बघेल ने संविधान की प्रस्तावना का समवेत पाठ कराया। डा. सजीवन कुमार ने कहा कि डा. आंबेडकर के संविधान के कारण हम सभी एक सूत्र में बंधे हैं। हम सभी को एक बार उनके विचार संदेश को जरूर पढ़ना चाहिए। संविधान के ज्ञान नहीं होने के कारण हम अक्सर गलतियां कर जाते हैं।

डा. आंबेडकर समाज के उद्धारक : डा. सुकृता तिर्की ने कहा कि डा. आंबेडकर महिला समाज के उद्धारक हैं। महिलाओं ने समाज में जो भी मुकाम हासिल किया है उसमें बाबा साहेब के संवैधानिक उपबंधों का योगदान है। कार्यक्रम का संचालन करते हुए डा. बीएल साहू ने कहा कि संविधान के जाने बिना हमारी शिक्षा अधूरी है। डा. सोहन कुमार मिश्रा ने आभार उद्बोधन दिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों के डा. आंबेडकर के जीवन पर आधारित प्रश्नोत्तरी का भी आयोजन किया गया।